भजन

तर्ज–जन्म जन्म का साथ है

धाम की निसबत है पिया तुम्हारी हमारी
माना भटक गई है आकर रूहें यहां तुम्हारी

1–मेरे दिल की देखियो, दर्द ना कछु इश्क
ना सेवा ना बंदगी, ए मेरी बीतक
पल पल हमको याद दिलाती वाणी ये तुम्हारी

2–ज्यों ज्यों तुम पा करी, मैं त्यों त्यों किये अवगुन
तिन पर फेर तुम मेहर करी, मैं फेर फेर किये विघन
फिर भी हमें सहारा देती,मेहर तुम्हारी

3–तारतम सब समझहीं, धाम सैयां हम बहन
तिन भी ब्रोध छूट्या नही, ए भी लगे दुख देन
जान के भी अनजान बने,क्या हो गई दशा हमारी